2- प्यासी मैना

एक थी मैना । वह नीम के खोखल में रहती थी । नीम का पेड़ बगीचे में था । बगीचे में नल लगा था ।मैना रोज बगीचे में दाना चुगने और नल के पास पानी पीती थी ।एक दिन बड़ी गरमी थी ।मैना को जोर की प्यास लगी ।मैना उड़कर नल के पास गयी और चोंच आगे बढ़ाई ,लेकिन नल के पास तो सूखा पड़ा था ।निराश होकर मैना वहाँ से उड़ी और आम के पेड़ पर जाकर बैठ गई। वहां उसे एक तोता मिला ।मैना ने पूछा - "भाई , मुझे बड़ी जोर की प्यास लगी है ,पानी कहाँ मिलेगा ?"

तोता बोला -"पास की जामुन के पेड़ के नीचे घडा रखा है । चलो , वहीँ चलकर पानी पीते हैं । मैना और तोता उड़कर जामुन के पेड़ के नीचे घड़ा तो था लेकिन वह भी खाली था ।

मैना और तोते ने जामुन के पेड़ पर एक कबूतर देखा। मैना ने कबूतर से पूछा-“भाई, पीने के लिए पानी कहाँ मिलेगा?” कबूतर ने कहा - “वह लाल ईंटों वाला मकान है न, उसके आँगन में रोज एक आदमी कपड़े धोता है। फर्श की दरारों में पानी जमा हो जाता है। चलो वहाँ चलकर पानी पीते हैं।”

मैना, तोता और कबूतर तीनों साथ-साथ उड़ते हुए लाल ईंटों वाले मकान के आँगन में जा पहुँचे लेकिन कपड़े धोने वाला जा चुका था। फर्श की दरारों में जमा पानी भी सूख गया था।

तोता परेशान होकर बोला - "अब क्या करें?" मैना बोली - "मुझे तो जोर की प्यास लगी है।" कबूतर बोला - "चलो कहीं पानी ढूँढ़ते हैं।" मैना, तोता और कबूतर तीनों साथ-साथ उड़ चले। कुछ देर बाद वे एक पीपल के पेड़ पर उतरे। वहाँ बहुत सारी गौरैया बैठी थीं। वह सब खूब मजे से चहक रही थीं-चिरर चरर चिर्र र्र र्र। कबूतर गौरैया के पास जाकर बोला - "गुटर गूँ, गुटर गूँ, अरे गौरैया! क्या बात है तुम लोग बहुत खुश हो?" गौरैया ने बताया - "हम सब अभी-अभी नहा कर आए हैं।" मैना अचरज से बोली "नहाकर! तुम्हें नहाने के लिए पानी कहाँ से मिला? हमको तो पीने तक को नहीं मिल रहा।"

गौरैया ने कहा - "आओ मेरे साथ।" सभी उड़ते हुए एक मकान के आँगन में पहुँचे। आँगन में बहुत से गमलों में रंग-बिरंगे फूल खिले थे। आस-पास बहुत से हरे-भरे पौधे भी उगे हुए थे। पौधों की छाया में एक बड़ा-सा मिट्टी का कुंडा पानी से भरा हुआ रखा था।

तोता उत्साह में बोला - "अरे देखो! उस कुंडे में पानी है। वहाँ हुदहुद पानी पी रहा है।" कबूतर ने कहा - "अरे वाह! वहाँ तो एक गिलहरी भी है।"

मैना ने पूछा - "यह कुंडा यहाँ किसने रखा है?" गौरैया ने बताया - "कुंडे को एक छोटी सी लड़की ने रखा है। वही इसमें रोज पानी भर देती है।"

मैना, तोता, कबूतर तीनों उड़कर कुंडे के किनारे जा बैठे और जी भर कर पानी पिया।

अभ्यास

शब्दार्थ-

खोखल = पेड़ के तने का खोखला भाग

अचरज = आश्चर्य

फर्श = जमीन

भूमि कुंडा = नाद या मटका

दरार = चटकी हुई जगह

जोश = उत्साह

बगीचा = छोटा बाग, बाग़ीचा

1. **बोध प्रश्न:** उत्तर लिखिए -

(क) मैना क्यों परेशान थी ?

(ख) पानी के लिए तोता मैना को लेकर कहाँ गया और क्या हुआ ?

(ग) कबूतर ने गुटर गूँ, गुटर गूँ करके गौरैया से क्या पूछा ?

(घ) मैना को गौरैया की किस बात पर आश्चर्य हुआ ?

(ङ) कुंडे के पास पहुँचकर गौरैया ने मैना को क्या बताया ?

2. कहानी के आधार पर तेजी से बोलिए और खाली जगह में लिखिए -

प्यासी पक्षी थी .....।रहती थी नीम के ..... में। नीम था .....में । रोज पानी पीती थी ..... से। नल लगा था ..... में। लेकिन नल ..... था। मैना पहुँची ..... के पास। तोता ले गया ..... के पेड़ पर। वहाँ का गड्ढा भी ..... था। मैना और तोता गए ..... के पास।

3. **सोच-विचार**: बताइए -

(क) लड़की रोज कुंडे में पानी क्यों भरती थी ?

(ख) जीवन के लिए पानी क्यों जरूरी है ?

(ग) हमें पानी कहाँ-कहाँ से मिलता है ?

(घ) हम किन-किन तरीकों से पानी की बरबादी को कम कर सकते हैं ?

4. **अनुमान और कल्पना**: बताइए -

(क) क्या होता यदि पक्षियों को गौरैया के बताए कुंड में भी पानी नहीं मिलता ?

(ख) छोटी-सी लड़की कुंडे में रोज पानी रखती थी। जिसमें पक्षी आ-आकर अपनी प्यास बुझाते थे। तुम पशु-पक्षियों के लिए क्या-क्या कर सकते हो ?

5. **भाषा के रंग** -

(क) तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए -

aपानी - ....

पक्षी - ....

फूल - ....

(ख) नीचे दिए गए संज्ञा शब्दों को उपयुक्त विशेषण शब्दों के साथ लिखिए।

जैसे-सूखा नल, सूखी लकड़ी, सूखे पेड़ -

नल, तालाब, नदी, कपड़े, खेत, पेड़, रोटी, लकड़ी, कुँआ, घड़ा, नहर, फसलें, तिनके, पत्ते, डाल

(ग) ऐसे वाक्य की रचना कीजिए -

(क) जिसमें योजक चिह्न (-) का प्रयोग हुआ हो।

(ख) जिसमें प्रश्नवाचक चिह्न (?) का प्रयोग हुआ हो।

(ग) जिसमें अल्प विराम चिह्न (,) का प्रयोग हुआ हो।

(ङ) जिसमें विस्मयादि बोधक चिह्न (!) का प्रयोग हुआ हो।

यह भी जानिए -

जिन शब्दों के अर्थ में समानता हो, उन्हें 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

जैसे: पेड़ - वृक्ष, तरु, पादप

यह भी जानिए -

सुंदर फूल / सुंदर मकान / सुंदर बालक इन तीनों उदाहरणों में सुंदर शब्द क्रमशः फूल, मकान, और बालक की विशेषता (सुंदरता) बता रहा है। अतः सुंदर शब्द विशेषण शब्द है। संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्द की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' शब्द कहते हैं।

यह भी जानिए -

विराम-चिह्न: विराम का अर्थ होता है - रुकना, विश्राम लेना। बातचीत के दौरान अभिप्राय को स्पष्ट करने के लिए बीच-बीच में रुकना पड़ता है। लिखते समय इन विरामों को दिखाने के लिए हम कुछ चिह्नों का प्रयोग करते हैं। ये ही विराम-चिह्न कहलाते हैं। कुछ विराम-चिह्न इस प्रकार हैं -

विराम-चिह्न	प्रयोग कहाँ	उदाहरण
अल्प विराम (,)	वाक्य में सबसे कम रुकने के लिए तथा दो से अधिक समान पदों, पदांशों, वाक्यों को अलग करने के लिए	राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न दरबार में पधारे। केला, सेब, अनार, अमरूद [illegible] फल हैं।
पूर्ण विराम (।)	वाक्य पूरा होने पर अंत में	मैं [illegible] में पढ़ती हूँ।
प्रश्नवाचक (?)	वाक्य के अंत में जिनमें प्रश्न सूचित हो	तुम्हारा कमरा कहाँ है ?
विस्मयबोधक (!)	वाक्य के अंत में खुशी, घृणा, दुःख या हैरानी प्रकट करने के लिए	अरे ! वह [illegible] नहीं गया।
योजक चिह्न (-)	दो शब्दों के बीच संबंध जोड़ने के लिए	आज-कल वह घर नहीं आता।
इकहरा अवतरण चिह्न (' ')	किसी विशेष शब्द या पद को उद्धृत करने के लिए उसके ऊपर	महर्षि वाल्मीकि ने 'रामायण' की रचना की।
दोहरा अवतरण चिह्न (" ")	किसी के कथन को ज्यों का त्यों उद्धृत करने के लिए शुरू और अंत में	[illegible] बोला – "दादी, मुझे आपसे एक बात कहनी है।"
निर्देशक चिह्न (—)	संवाद में नाम के बाद	कृष्ण – "माँ, मैं गाय चराने जाऊँगा।"

6. **आपकी कलम से** -

पाठ में आए चित्र-2 को देखिए और लिखिए -

(क) चित्र में कौन क्या-क्या कर रहा है ?

(ख) क्या-क्या बातें हो रही होंगी - गिलहरी और हुदहुद में, तोते और मैना में।

(ग) चित्र के आधार पर अपने साथियों से पूछने के लिए कुछ सवाल बनाइए।

7. **अब करने की बारी** -

(क) पोस्टर बनाइए - जल ही जीवन है।

(ख) छत पर, दरवाजे पर अथवा आँगन में किसी बरतन में रोज दाना-पानी रखें।

(ग) घोंसले बनाकर आँगन में या किसी पेड़ पर टाँग दें।

8. मेरे दो प्रश्न: पाठ के आधार पर दो सवाल बनाइए -

9. **इस कहानी से** -

(क) मैंने सीखा ....

(ख) मैं करूँगी/करूँगा ....

यह भी जानिए -

भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम - भारतीय वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम, 1972 भारत सरकार ने सन् 1972 ई. में पारित किया है। यह अधिनियम जंगली जानवरों, पक्षियों और पौधों को संरक्षण प्रदान करता है।

भारत के बर्डमैन-पद्मविभूषण सलीम मुईनुद्दीन अब्दुल अली (12 नवंबर, 1896-27 जुलाई, 1987) देश के पहले ऐसे पक्षी विज्ञानी थे, जिन्होंने पक्षियों का सर्वेक्षण करके लेख व किताबें लिखीं।